LOK SABHA

Monday, November 14, 1960/
Kartika 23, 1882 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Chinese Incursions

+

*1. **Shri P. G. Deb:**
Shri S. A. Mehdi:
Shri Bhakt Darshan:
Shri Ram Krishan Gupta:
Shri Vidya Charan Shukla:
Sharma:
Shri Khuswaqt Rai:

Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether there have been any Chinese incursions in Indian Territory since the 9th September, 1960; and

(b) if so, the details of the same?

The Deputy Minister of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): (a) and (b). There have been some minor incursions by patrol parties. Details are given in Government of India's notes on September 26, 1960 and October 24, 1960 which are included in White Paper IV to be placed on the Table of the House today.

Shri P. G. Deb: What was the result of the protest, if at all made?

The Prime Minister and Minister of External Affairs (Shri Jawaharlal Nehru): Hon. Member will see the full correspondence in this White Paper which is being placed on the table of the House later. The border incident was denied.

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या प्रधान मंत्री महोदय का ध्यान चीन के प्रधान मंत्री के उस बयान की तरफ गया है जिसमें उन्होंने कहा है कि सीमा सम्बन्धी जो झगड़े हैं उन को सुलझाने में भारत सरकार की हठधर्मी है और वह सुलझाने के मूड में नहीं है। दूसरी सरकारों ने जैसे बर्मा और नेपाल की सरकारों ने झगड़े तय कर लिये हैं ...

Mr. Speaker: Hon. Member must put a question. He is going on arguing.

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं जानना चाहता हूं कि क्या भारत सरकार ने इस सम्बन्ध में अपना कोई विचार व्यक्त किया है और यदि हां, तो क्या ?

श्री जवाहरलाल नहरू : जी हां अखबार में चीन के प्रधान मंत्री का जो बयान छपा था वह मैंने पढ़ा। अब यह उनकी अपनी राय है। हमारी राय इसके खिलाफ है और आप जानते ही हैं कि हमारी राय क्या है।

Shri P. G. Deb: Is it not a fact that the incursions into Indian territory by Chinese planes took place many times during the last two months, the incursions by air?

Shri Jawaharlal Nehru: These are also given in the White Paper, the list as given by us. It is not always possible to find out exactly whose planes they are. They fly at a height of about seventy thousand feet, very high; and it is difficult to distinguish; and often at night. One can just see

a light. They have denied this fact that they have sent any planes. We have felt that they must have come somewhere from that direction; but absolute proof as to whose plane it might be, it is very difficult to give. According to Chinese accounts it must be somebody else's planes.

Shri S. A. Mehdi: May I know whether there have been any arrests in this connection on the side of Sikkim border, in September?

Shri Jawaharlal Nehru: In which connection, Sir?

Shri S. A. Mehdi: I mean of Chinese soldiers, on this side.

Shri Jawaharlal Nehru: As I said, you will find the details there. There were no arrests. There are some patrol parties, about a dozen persons or two, who came in fifteen miles and who when they saw our forces retired immediately. There was no actual conflict. They retired forthwith.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, शासन की ओर से यह स्वीकार किया गया है कि इस बीच में छुट-फुटे रूप में भारतीय सीमा का अतिक्रमण किया गया है तो इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिये और भविष्य में ऐसा न होने पाय इस बारे में क्या खासतौर से कुछ विशेष कठोर कदम उठाये गये हैं ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : आक्रमण रोकने के लिये काफी इंतजाम है लेकिन दो, चार आदमी घुसपैठ कर चले आयें, छिप कर चले आयें यह तो हमेशा हो सकता है और कोई भी जा सकता है इधर से उधर और एक एक इंच को रोकना तो जरा मुश्किल बात है । अब उनका बयान यह है कि आप देखेंगे कि चन्द लोग धोखे से उधर चले गये थे क्योंकि वहां कोई निशान तो है नहीं ।

Shri Vidya Charan Shukla: May I know if there was any exchange of fire as a result of these incursions into our territory?

Shri Jawaharlal Nehru: No, Sir, there was no conflict.

Shri Hem Barua: May I know whether it is a fact that Chinese troops fired upon Indian armed personnel on the Indo-Chinese border near a place called Tutking in NEFA territory on October 7, and that we suffered one or two casualties?

Shri Jawaharlal Nehru: We have no such information, as far as I know.

Shri Goray: Did we send any planes of our own to identify whether they were Chinese or of some other nation?

Shri Jawaharlal Nehru: Naturally, we always try to identify; but, as I said, these so-called incursions take place normally at night, and at a tremendous height. If we send a plane—the whole thing takes seconds. These are presumably jet planes flying very fast, at a very high altitude.

Shri Vajpayee: In his address to the United Nations General Assembly the Prime Minister described the Chinese occupation of Indian territory as a mere controversy. May I know why he did not say that they had committed agression against India?

Mr. Speaker: That does not arise out of this question. The question refers only to recent incursions and as to what the details are.

Shri Ram Krishan Gupta: May I know whether it is a fact that Chinese troops have also left some of our areas and, if so, whether any steps have been taken to reoccupy them?

Shri Jawaharlal Nehru: I am not aware of their having left any area. It is possible that they have withdrawn their camp a little, maybe two or three miles—but they have not left any area. I have a vague idea that this happened in one place because of an outbreak of epidemic disease there at that point.

Mr. Speaker: Next question.

Shri Hem Barua: May I humbly submit...

Mr. Speaker: I cannot allow this to develop into a big argument.

श्री ब्रजराज सिंह : श्रीमन्, जिस छुटपुट घुसपैठ का जिक्र किया गया है उससे हमारे कितने क्षेत्रफल पर असर पड़ा और क्य जितना क्षत्रफल पहले चाइनीज के कब्जे में था उससे कुछ और अधिक उनके कब्जे में चला गया है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैं पूरी तौर से समझा नहीं । क्या आपका मतलब यह है कि जहां के लिये कहा जाता है वहां से हटे हैं कि नहीं तो मैंने तो कहा कि वह हटे नहीं हैं...

श्री ब्रजराज सिंह : मेरा मतलब यह नहीं था । मेरा मतलब तो यह था कि आपने जो यह कहा कि इस बीच में चीनियों ने छोटी मोटी घुसपैठ हमारी टैरीटैरी में की हैं तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस घुसपैठ के कारण हमारे किसी क्षेत्रफल पर असर पड़ा है और जितने क्षेत्रफल पर उनका पहले कब्जा था क्या उससे ज्यादा इलाका उनके कब्जे में चला गया है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : नहीं इसमें कोई फर्क नहीं पड़ा । अगर आप देखेंगे हमें वहां के लोकल आदमियों से खबर आई कि चन्द सिपाही ७, ८ १० आदमी उन्होंने देखे थे लेकिन जहां हमारे लोग पास में पहुंचे वे लोग फौरन चले गये थे । उस वक्त तक कोई और नहीं पड़ा ।

भारत-चीन वार्ता

+

*२. श्री भक्त दर्शन :
श्री राजेन्द्र सिंह :
श्री रामकृष्ण गुप्त :
श्री नरदेव स्नातक :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री दी० चं० शर्मा :
श्री विद्याचरण शुक्ल :
डा० राम सुभग सिंह :
श्री प्र० के० देव :
श्री हरिश्चन्द्र माथुर :
श्रीमती इला पालचौधरी :
श्रीमती मफीदा अहमद :
श्री खुशवक्त राय :
श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी :
श्री सूपकार :
श्री आसर :
श्री डामर :
श्री हेम बरुआ :
श्री रघुनाथ सिंह :
श्री अगाड़ी :
श्री वोडयार :

क्या **प्रधान मंत्री** १८ अगस्त, १९६० के तारांकित प्रश्न संख्या ४९८ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत और चीन के पदाधिकारियों के बीच भारत-चीन सीमा विवाद के संबंध में जो विचार-विमर्श चल रहा था उसमें क्या प्रगति हुई है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): भारतीय और चीनी अधिकारियों ने १९ अगस्त, १९६० को फिर से बातचीत शुरू की और उनकी यह बातचीत ५ अक्तूबर, १९६० तक दिल्ली में चलती रही । अब इन दोनों दलों ने यह अनुभव किया कि वे सितम्बर के अन्त तक सबूत की जांच पूरी न कर सकेंगे तो उन्होंने भारत और चीन के प्रधान मंत्रियों से अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया । उनका यह अनुरोध मान लिया गया और जब ये दल रंगून में अपनी तीसरी बैठक कर रहे हैं, जहां वे अपना काम खत्म करके रिपोर्टों तैयार कर देंगे । उम्मीद है कि ये दल नवम्बर, १९६० के अन्त तक अपना काम खत्म कर लेंगे । उसके बाद, दोनों तरफ की रिपोर्ट दोनों सरकारों के पास विचार के लिये पेश कर दी जायेंगी ।

May I read it in English too, Sir?

Mr. Speaker: Yes.